प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
02.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 09:20बजे

मौसम

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सोमवार की रात हुई मानसून की भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मंडी जिला में कई जगह बादल फटने की घटनाओं में जान–माल की भारी क्षति हुई है। जिला उपायुक्त अपूर्व देवगन ने आकाशवाणी से बातचीत में बताया कि इन घटनाओं में अब तक 10 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि 34 लोग लापता हैं, जिन्हें ढूंढने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य तेजी से जारी है।

सुखविंदर सुक्खू

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर बादल फटने व बाढ़ की घटनाओं में हुए जान–माल के नुकसान पर गहरा दुख जताते हुए संबंधित जिला प्रशासन को प्रभावितों की हर संभव सहायता के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक आंकलन के अनुसार इस आपदा से राज्य को अब तक 500 करोड़ रूपये से अधिक का नुकसान हो चुका है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि ख़राब मौसम को देखते हुए पूरी सावधानी बरतें और प्रशासन की एडवायज़री का पालन करें।

प्रदेश में बहुत नुकसान हुआ है, पिछली रात मंडी में तकरीबन आठ के करीब क्लाउट बरस्ट हुए हैं, उस नुकसान से तकरीबन 500 करोड़ की संपति के नुकसान का आंकलन हम अब तक लगा सकते हैं। लेकिन पिछली रात से और घटनाओं की सूचनाएं हमें मिल रही हैं, कुछ एक घटनाएं हैं, जिसमें लैंड स्लाइड के कारण भी एक घर के कुछ पारिवारिक सदस्य सारे उसके नीचे दबे हैं। कुछ को हमने रेस्क्यू कर लिया है।

इस बीच राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकतर भागों में आज बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज व कल कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार सात जुलाई तक प्रदेश में मौसम के खराब रहने की संभावना है।

राष्ट्रमंडल सम्मेलन

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा है कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से संसाधनों का कुशल प्रबंधन, सेवाओं की पारदर्शिता और नीति निर्माण में भागीदारी बढ़ी है। राज्यपाल कल धर्मशाला के तपोवन स्थित प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र–2 के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुशासन अब केवल एक आदर्श नहीं बल्कि एक व्यवहारिक दृष्टिकोण बन चुका है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने दलबदल कानून को ओर भी मजबूत और सशक्त बनाए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यदि दलबदल कानून सख्त होगा तो सरकार भी पूरे आत्मविश्वास के साथ कार्य करेगी।

बस सेवा

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री आज सोलन जिला के कंडाघाट उपमंडल के क्यारीघाट से हिमाचल पथ परिवहन निगम की 24 नई वॉल्वो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

विक्रमादित्य सिंह

बीते दिनों शिमला के भट्टाकुफर में पांच मंजिला भवन के ढहने के बाद हुए नुकसान का कल लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने फोरलेन के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद यहां पर हो रहे निर्माण कार्य पर सवाल भी खड़े किए। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वे इस संबंध में केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी से भी बात की है।

शिमला के साथ लगता हुआ इलाका है भट्टाकुफर का। यहां एक हादसा हुआ है, बिल्डिंग गिरी और उससे बड़ा नुकसान इलाके को हुआ है। वो तो दुखद है ही मगर उसके साथ साथ पूरा रैजिडेंशियल इलाका है। खासकर भट्टाकुफर की रेजिडेंशियल कॉलोनीज हैं, या जहां जहां से ये प्रस्तावित फोरलेन का काम चला हुआ है, उसमें जिस तरीके होना चाहिए, उसमें बहुत कमियां हैं, हमने इस विषय को लगातार केंद्र सरकार

से उठाया है, पहले भी जब शिमला से कालका फोरलेन का काम चला हुआ था, उस समय भी ये दिक्कतें वहां आईं।

और अब सुर्खिया समाचार पत्रों से
आज समाचार पत्रों ने भारी बारिश से जान–माल के नुकसान की खबर को सचित प्रकाशित किया है।

अमर उजाला की सुर्खी है– हिमाचल में एक ही रात 17 जगह फटे बादल, 18 लोगों की मौत, 34 लापता। पंजाब केसरी के शब्द हैं–मंडी जिला में आठ जगह बादल फटे, 14 की मौत, 31 लापता। दिव्य हिमाचल का शीर्षक है–मंडी में जलप्रलय–आधी रात जिला में अलग–अलग सात स्थानों पर फटा बादल। दैनिक जागरण और आपका फैसला ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु के हवाले से लिखा है–अब तक 500 करोड़ रूपये के नुकसान का अनुमान। दैनिक भास्कर के मुताबिक–बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त, 406 सड़कें अवरूद्ध।